

CONCORDIA

	Matth.	Marc.	Luc.	Ioan.
1	o	45::	o	
2	o	o	o	
3	o	o	o	
4	o	o	o	
5	o	o	o	
6	o	o	o	
7	o	o	o	
8	o	o	o	
9	o	o	o	
10	o	o	o	
11	o	o	o	
12	o	o	o	
13	o	o	o	
14	o	o	o	
15	o	o	o	
16	o	o	o	
17	1::..	37::..	o	
18	1::	37::	10::	
19	2	o	o	
20	1..	38..	28...:	
21	o	38	o	
22	3...:	42...:	11...:	
23	4...:	o	o	
24	4	44...:	o	
25	5..	46::	o	
26	o	46::	o	
27	o	46...:	o	
28	5...:	46...:	o	
29	6..	o	o	
30	6::	o	o	
31	7...:	52::	o	
32	o	47::	o	
33	o	o	o	
34	o	61...:	o	
35	22..	75...:	o	
	53::	133::		
		104::		
36	o	140::	o	
37	o	o	o	
38	o	o	o	
39	o	o	o	
40	o	o	o	
41	o	120	o	
42	o	o	o	
43	54::	140::	o	
44	o	o	o	
45	o	62...:	o	
46	o	62..	o	

Cap. I

cap. II

cap III

cap IIII

cap. V

Cap. VI

Cap VII

C. VIII

Cap. IX

Cap. X



EVANGEL.

	Matth.	Marc.	Luc.	Ioan.
			63::	
47	o	64..	o	
48	o	o	o	
49	o	o	o	
50	o	o	o	
51	o	97...:	o	
52	o	97..	o	
53	o	97	o	
54	68::	o	o	
55	o	o	o	
56	o	113...:	o	
57	o	104::	o	
58	o	139	o	
59	o	112::	o	
60	o	112..	o	
61	22..	64::	o	
		65::		
62	o	o	o	
63	o	98	o	
		99::		
64	o	62..	o	
65	o	125...:	o	
66	o	66...:	o	
67	o	o	o	
68	o	125...:	o	
69	o	67..	o	
70	o	67..	o	
71	8::	49::	o	
72	10...:	53...:	o	
73	o	68...:	o	
74	9::	50::	o	
75	9...:	50...:	o	
76	o	88...:	o	
77	25...:	77::	o	
78	26...:	78...:	o	
79	11...:	54...:	o	
80	12...:	55...:	o	
81	13	56...:	o	
82	27...:	79...:	o	
83	o	o	o	
84	38::	100..	o	
85	o	o	o	
86	32::	89...:	o	
87	17::	80::	o	
88	17::	59::	o	
89	29...:	80..	o	
90	29...:	80..	o	
		89::		





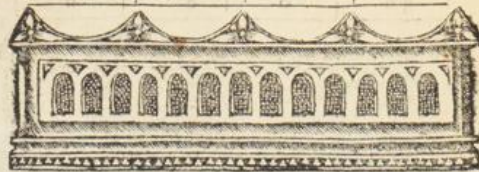
CONCORDIA

Matth.	Marc.	Luc.	Ioan.	
91	29..	80..	0	
		89::		
92	29...:	80..	0	
		89::		
93	0	89::	0	
94	77::	0	0	
95	77::	109::	0	
96	77::	0	0	
97	22::	65::	102::	
		107::		
98	0	107::	0	
99	0	108::	0	
100	43::	83...:	0	
101	0	118::	0	
102	0	0	0	
103	43...:	83..	0	
		132...:		
104	51::	91::	102::	
XI	105	0	0	
	106	0	70..	0
	107	0	71	0
	108	0	140..	0
	109	0	71..	0
	110	0	90..	0
	111	0	92..	0
	112	0	0	0
XII	113	14...:	57...:	0
	114	15...:	58...:	0
	115	16..	0	0
	116	16...:	0	0
	117	18...:	100..	0
	118	18..	100..	0
		101..		
	119	18...:	108..	0
	120	0	66...:	0
	121	0	0	0
	122	40..	103..	0
	123	0	103	0
	124	0	101...:	0
	125	19	76...:	0
XIII	126	20	74...:	0
	127	20	74...:	0
	128	21...:	74..	99...:
	129	0	93...:	0
	130	21..	74...:	0
	131	0	0	0
	132	24..	124..	0
	133	0	124	0



EVANGEL.

Matth.	Marc.	Luc.	Ioan.	
134	24..	0	0	
135	0	0	0	
136	0	0	0	
137	0	0	0	
138	0	0	0	
139	0	0	0	
140	28..	47...:	35::	
		48...:	53::	
XIII	141	30..	81...:	0
	142	31..	43..	0
	143	31	0	0
	144	32..	81...:	47...:
	145	32...:	82...:	47...:
	146	32..	0	49...:
		33...:		
	147	34..	0	0
XV	148	35..	0	0
	149	36..	0	0
	150	0	65::	0
	151	36...:	0	0
	152	37...:	0	0
	153	38...:	0	0
	154	39...:	0	0
		40		
XVI	155	40...:	119...:	0
	156	41...:	106::	0
	157	42...:	83...:	0
	158	0	0	0
	159	42..	83	0
	160	42..	83..	0
	161	42..	0	0
	162	42..	0	0
	163	43..	83...:	0
	164	44..	83..	0
XVII	165	44...:	84...:	0
	166	45..	85..	0
			84..	
	167	46	0	0
	168	77...:	85...:	0
		48...:		
	169	48..	142::	0
	170	49...:	85...:	0
	171	0	0	0
XVIII	172	49...:	86...:	0
	173	49..	86..	0
		52..	142	
	174	0	142	0
	175	52..	0	0





CONCORDIA

Matth.	Marc.	Luc.	Ioan.
176	o	152...o	o
177	o	134...o	o
178	o	142...o	o
179	o	o	146::
180	o	o	o
181	o	142..	o
182	o	o	o
183	54...o	o	o
184	54	o	o
185	54::	140::	o
146	o	o	o
187	55...o	148...o	o
188	56...o	149..	o
189	57..	149	o
190	57	149	o
191	58...o	149..	o
192	o	o	o
193	59..	150...o	o
194	60...o	o	o
195	61	173::	o
196	62...o	151...o	o
197	63..	154..	95...o
198	63...o	154...o	95..
199	64..	156..	19::
	66::		
200	o	154...o	o
201	64..	o	o
	65...o		
202	68...o	o	o
203	69	158..	o
204	o	o	o
205	70...o	159..	o
206	o	131...o	o
207	71..	160..	o
208	71..	160...o	o
209	72...o	o	o
210	73...o	161..	o
211	o	o	o
212	o	105::	o
213	74..	105::	o
		162..	
214	o	o	o
215	74..	105::	o
		162..	
216	o	o	o
217	o	o	o

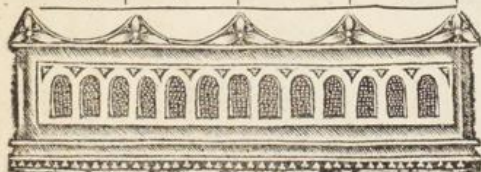
XIX

XX

XXI

XXII

XXIII



EVANGEL.

Matth.	Marc.	Luc.	Ioan.
218	o	105::	o
219	o	105::	o
220	o	105::	o
221	o	105::	o
222	o	105::	o
223	o	127	o
224	76...o	164...o	o
225	77..	164..	o
226	77	164...o	o
227	77...o	164...o	o
228	77..	165...o	o
129	77..	145::	o
230	77..	165...o	o
231	77	166..	o
232	77...o	145::	o
233	o	145::	o
234	78...o	114::	o
235	o	115::	o
236	o	o	o
237	o	o	o
238	o	o	o
239	79..	169...o	o
240	79..	o	94..
241	79..	o	94..
242	79..	o	94..
243	80...o	169...o	o
244	81...o	170..	o
245	82	171..	o
246	82..	172..	103...o
247	83..	171...o	o
248	83	171	o
249	83	o	130...o
250	84..	175..	o
251	84	175..	o
252	84..	177...o	o
253	84	178...o	o
254	84...o	177...o	o
255	84	o	o
256	84..	179...o	130...o
	85..		131...o
257	85..	180...o	o
258	86...o	181...o	134...o
			133...o
259	86..	o	o
260	86..	183...o	o
261	86	183...o	o

XXIII

XXV

XXVI





CONCORDIA

Matth.	Marc.	Luc.	Ioan.
262	87...	182...	0
263	88...	181...	133..
			134...
264	89..	184..	135...
265	0	0	0
266	89	184...	135...
267	90...	187...	136..
268	90..	187..	0
269	90	187..	139...
270	91..	0	137...
271	92..	188...	139
		189...	
272	93...	191..	140...
			139...
273	93..	189	139..
274	94..	192...	0

XXVII

EVANGEL.

Matth.	Marc.	Luc.	Ioan.
275	94	193..	0
276	49	0	141...
277	95	193..	141...
278	96..	193...	0
279	96...	193...	0
		194..	
280	97..	194...	0
281	98..	195...	143...
	99..	196..	
282	0	0	0
283	100...	197...	144...
284	0	0	0
285	0	0	0
286	0	0	0
287	104...	0	0

XXVIII

CONCORDIAE FINIS.

**A**NIMADVERTE LECTOR OPTIME, HOC VNICO CONCORDIAE canone ad Matthæum, te si uelis (perquàm pauco adhibito labore) tot deprehendere posse, quot decem illis quos uir egregia laude Eusebius, olim apud Græcos concinnauit. Nā peculiaria Matthæo designant notæ 000 è regione numerorū Matthæi, in Marco, Luca, & Ioanne adiectæ. Cōmunia sunt Matthæo & Marco, sicubi numeris Matthæi è regione respondēt numeri aliqui ex Marco, ex cæteris autē non. Sic cōmunia Matthæo, Marco & Luca, quando numeris Matthæi è regione respondent numeri in Marco & Luca. Cōmunia insuper ipsis quatuor, cum numeris Matthæi respondent numeri in Marco, Luca, & Ioanne. Hoc modo peculiaria Marco facile colliges: qualia sunt 51, 53, 101, 103, 105. Necnon & cōmunia Marco & Luca: ut sunt 8, 50, 67, 102. Sic & de Luca & Ioanne dicendum: adeo ut uideas omnia peculiaria Luca ad numerum 37 usq;. At Ioannes maximè peculiaria habet: nec ferme quicquam tangit aliorum, nisi ubi alij minus expresserunt, nōnihil quod aut mysterio, aut hac sacra dignum uideatur historia, adijciat. Nec ignorandum, in locis cōmunibus duo puncta, in Matthæo peculiaria relinquere: trigonos autē, in eis ipsis quorum fuerint Euangelistarum locis, interdum peculiaria: quæ etiam indicāt & numeri in cōmunibus locis non comprehensi. Sed & similia per suos tetragonos, suis locis deprehendes facillimè. Adde postremò, quod maiusculi numeri ad latera positi, Matthæi capita demonstrant. Verū his omissis quæ leuia uideri possunt, ad rem ipsam, ut indultore deo polliciti sumus, &

eo ordine quo sumus præfati, nostrū conuertamus  
 studium: primum hoc pacto sanctum  
 dei (uelut in ipso statim  
 limine uenerandum) Euangeliū  
 præfigentes.

